दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार, 08 अप्रैल 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 189

महत्वपूर्ण एवं खास

खाई में गिरा यूटिलिटी वाहन, तीन की मौत

नई टिहरी (आरएनएस)। बीती देर रात को जौनपुर ब्लाक के ग्राम बेल परोगी में एक वाहन खाई में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वाहन दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर मौत हुई है, जबकि दो लोग घायल हुये हैं। घायलों का देहरादून में इलाज चल रहा है। बीती देर रात को वाहन विकासनगर से बेल गांव के लिए शादी का सामान लेकर आ रहा था। तभी ग्राम बेल परोगी-ग्राम कंडी कच्चा मार्ग पर यकायक वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया और 300 मीटर गहरी खाई में जा गिरा। स्थानीय लोगों ने मौके पर जाकर राहत बचाव कार्य शुरू किए। सूचना पर बाद में पुलिस व प्रशासन के लोग भी पहुंचे। मृतकों व घायलों को बमुश्किल सडक़ तक लाया गया। दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर घायल हुये हैं। जिन्हें हायर सेंटर देहरादून के लिए रेफर किया गया है। शवों को पीएम के लिए भेजा गया है। जबकि घायलों का देहरादून में इलाज चल रहा है। दुर्घटना के मृतकों में गोविंद सिंह खत्री (48) पुत्र भगत सिंह निवासी ग्राम बेल पोस्ट परोगी थाना थत्यूड़, राजेश (32) पुत्र सरफ सिंह निवासी ग्राम सड़ब थाना कैंपटी और कुंवर सिंह (68) पुत्र देह सिंह निवासी ग्राम बेल पोस्ट परोगी थाना थत्यूड़ शामिल हैं। जबकि घायलों में बलबीर सिंह रावत (40) पुत्र गोबर सिंह निवासी ग्राम सड़ब थाना कैंपटी और चालक मनोज राणा (34) पुत्र बलदेव सिंह राणा निवासी सड़ब तल्ला थाना कैंपटी शामिल हैं।

खनन से हुए गड्ढे में डूबने से तीन किशोरों की मौत

रुडक़ी (आरएनएस)। सुल्तानपुर में खनन से हुए गड्ढे में भरे पानी में नहा रहे तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई। घटों बाद किशारों के शव फूलकर पानी की सतह पर आए तो परिजनों को जानकारी मिली। परिजन ने पुलिस को सूचना दिए बिना ही तीनों शवों को दफना दिया। सुल्तानपुर से भोवापुर रोड की जमीन पर कई साल पहले भट्टे की ईंट पाथने के लिए मिट्टी उठाई गई थी। बाद में उसी जमीन पर खनन से पांच सौ फुट व्यास का करीब बीस फुट गहरा गड्ढा हो गया था। इसमें बाणगंगा नदी का पानी भरा था। सुल्तानपुर के तसलीम का बेटा रेहान (15) अनस (14) और पड़ोसी जमशीद का बेटा रिहान (15) बुधवार शाम खेलते हुए गड्ढे के पास पहुंचे। बाद में तीनों नहाने के लिए गड्ढे में घुस गए। गड्ढे की गहराई ज्यादा होने से तीनों पानी में डूब गए। कई घंटे बाद तीनों के शव फूलकर पानी की सतह पर आए। जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीण वहां पहुंचे और तीनों शव बाहर निकाले। सुल्तानपुर चौकी प्रभारी अंकुर शर्मा ने घटना की पुष्टि की। बताया कि पुलिस को पता चलने से पहले तीनों शवों का अंतिम संस्कार हो गया था।

अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम शुष्क रहा, क्योंकि मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान दोनों केंद्रशासित प्रदेशों में मौसम साफ रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम शुष्क और साफ रहेगा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 9.3, पहलगाम में 4.2 और गुलमर्ग में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख क्षेत्र के द्रास में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.4, लेह में 3.3 और कारगिल में 2.4 दर्ज किया गया। जम्मू में रात का न्यूनतम तापमान 20.1, कटरा में 19.7, बटोटे में 13.9, बनिहाल में 9.5 और भद्रवाह में 10.7 रहा।

पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति का निर्धारण करने के लिए गहरे समुद्र का अन्वेषण

नई दिल्ली (आरएनएस)। हाल ही में शुरू किए गए डीप ओशन मिशन के तहत, एक उद्देश्य गहरे समुद्र से बाहर निकलने की स्थितियों और जीवन के अनुकूल अणुओं तथा जैविकीय संघटकों की रचना संबंधी अध्ययन पर केंद्रित है, जो पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति कैसे हुई, इस पर कुछ प्रकाश डालने का प्रयास करेगा। गहरे समुद्र में बायोफाउलिंग तथा जीवन की उत्पत्ति संबंधी अध्ययन के लिए 5 वर्ष की अवधि के लिए 58.77 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। डीप ओशन मिशन को शुरु में 5 साल के लिए मंजूरी दी गई है।

भारतीय समुदाय भारत-नीदरलैंड के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है : राष्ट्रपति कोविंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने कहा कि भारतीय समुदाय भारत-नीदरलैंड के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है और न केवल भारत व नीदरलैंड बल्कि भारत और यूरोप के बीच एक सेतु का काम करता है। वह नीदरलैंड में भारत की राजदूत श्रीमती रीनत संधू की ओर से कल शाम (6 अप्रैल, 2022) एम्स्टर्डम में आयोजित स्वागत समारोह में भारतीय समुदाय के सदस्यों और भारत के मित्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज यूरोप के मुख्य भूभाग नीदरलैंड में भारतीय समुदाय सबसे बड़ा भारतीय मूल का प्रवासी है, जिसमें हिन्दुस्तानी-सूरीनामी समुदाय के दो लाख (200,000) से अधिक सदस्य हैं और 60,000 से अधिक भारतीय पेशेवर व छात्र रहते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि नीदरलैंड में भारतीय पेशेवरों ने बहुत अच्छा काम किया है। उद्यमियों, डॉक्टरों, बैंकरों और तकनीकी विशेषज्ञों के रूप में वे बड़े पैमाने पर डच समाज और अर्थव्यवस्था के साथ-साथ वैश्विक समुदाय के लिए अत्यधिक मूल्यवान साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियों और सफलता पर भारत को गर्व है।

राष्ट्रपति ने कहा कि कोई एक भारतीय को भारत से बाहर ले जा सकता है, लेकिन किसी भारतीय से भारत को नहीं ले जाया जा सकता है। पिछले सैकड़ों वर्षों में कई भारतीयों ने विदेश यात्राएं की हैं जबकि भारत हमेशा उनके दिलों में धडक़ता रहा है। वे दुनिया के जिस भी हिस्से में बसे उन्होंने भारतीय सभ्यता के मूल्यों को गर्व के साथ जीवित रखा। भारतीय मूल के लोग जहां भी बसे उन्होंने उस जगह को अपने घर के रूप में मान लिया और पूरी तरह से उससे जुड़ गए।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल महामारी के दौरान प्रवासी भारतीयों ने सामग्री और मौद्रिक दान के माध्यम से अपना सहयोग दिया। उन्होंने इस विचारशील भावना की सराहना की और कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में सभी सामग्री और मौद्रिक दान का सदुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में हमें याद आता है कि विदेशों में रहने वाले भारतीय प्रवासी हमारा विस्तारित परिवार है जो हमें अतिरिक्त शक्ति प्रदान करता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत प्रवासी भारतीयों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय प्रवासियों के साथ हमारा जुड़ाव और उन तक पहुंच कई गुना बढ़ी है। हमने 4सी के तहत कई पहल की हैं, जिनमें केयर (देखभाल), कनेक्ट (जुडऩा), सेलिब्रेट (उत्सव मनाना) और कंट्रीब्यूट (योगदान) शामिल हैं। भारत के प्रवासी नागरिक कार्ड कई क्षेत्रों में मान (प्रतिष्ठा) और विशेषाधिकार देने के लिए जारी किए गए हैं। लंबी अवधि के वीजा और ई-वीजा के जरिए भारत की यात्रा को सुगम बनाया गया है। प्रवासी युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें भारतीय युवाओं व उनकी भारतीय जड़ों से परिचित कराने के लिए हमने उच्च शिक्षा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में शामिल होने को लेकर भारतीय मूल के प्रवासी बच्चों के लिए भारत को जानें कार्यक्रम और छात्रवृत्ति कार्यक्रम शुरू किया है। उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों से इन अवसरों का लाभ उठाने और उनमें सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आज व्यापार, सामाजिक उद्यमों और सांस्कृतिक संबंधों के लिए अवसरों से परिपूर्ण है। उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों को भारत की परिवर्तनकारी यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि वे अपने विचारों, अपने व्यापार मॉडल और अपने निवेश रूपरेखा (प्रोफाइल) के साथ योगदान कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साढ़े सात दशकों में भारत और नीदरलैंड के बीच द्विपक्षीय व्यापार व निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अब भारत में नीदरलैंड तीसरा सबसे बड़ा निवेशक है। इसी तरह भारत भी नीदरलैंड में शीर्ष निवेशकों के रूप में उभर रहा है। नीदरलैंड जल प्रबंधन और वैज्ञानिक जानकारी में अग्रणी है। इस क्षेत्र में दोनों पक्ष कई संयुक्त परियोजनाओं को लागू करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। कृषि, स्वास्थ्य, बंदरगाह और जहाजरानी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, उच्च शिक्षा और शहरी विकास को सहयोग के अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया गया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि हम अपने राष्ट्रीय प्रमुख कार्यक्रमों जैसे मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, क्लीन इंडिया और डिजिटल इंडिया में प्रमुख भागीदार के रूप में नीदरलैंड पर भरोसा करते हैं। हम भारत में विकास और विकास के लिए डच तकनीकी, जानकारी और निवेश का लाभ उठाने के इच्छुक हैं और भारतीय समुदाय इस उद्देश्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

बीएसएफ ने भारत-पाक सीमा पर भारी मात्रा में हथियार और बारूद किए बरामद

श्रीनगर (आरएनएस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू जिले में 198 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास अखनूर सेक्टर के परगवाल इलाके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। बीएसएफ के अनुसार जम्मू के एक विशेष तलाशी अभियान के दौरान बीएसएफ ने हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया। बीएसएफ जम्मू का तलाशी अभियान अखनूर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर परगवाल में बाड़ के आगे शुरू किया गया था। सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक एके 47 राइफल, एके 47 के 20 राउंड, दो राइफल मैगजीन, दो इटली निर्मित पिस्टल, 40 राउंड पिस्टल और चार पिस्टल मैगजीन बरामद की हैं।

पाकिस्तान आधारित तत्वों के बारे में खुफिया जानकारी मिली थी कि वे भारतीय क्षेत्र में हथियारों की तस्करी करने की कोशिश कर रहे हैं। बीएसएफ के जवानों को हाई अलर्ट पर रखा गया था और बाड़ और इंटरनेशनल बॉर्डर के बीच के क्षेत्र में नियमित रूप से गश्त की जा रही थी।

उन्होंने कहा, तडक़े सुबह हमने जीरो लाइन की तलाशी ली और बीएसएफ पार्टी ने एक बैग बरामद किया, जिसे भारतीय सीमा में तस्करी कर लाया जाना था और इस तरह सैनिकों ने एक बड़ी त्रासदी को टाल दिया।

बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के कार्यवाहक आईजी एसके सिंह ने कहा कि हथियारों और गोला-बारूद की जब्ती ने एक बार फिर पाक स्थित तत्वों के नापाक मंसूबों का पर्दाफाश किया और उनकी नापाक गतिविधियों पर बड़ी सेंध लगाई। उन्होंने आगे कहा कि बीएसएफ हर समय हाई अलर्ट पर है और अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है।

भारतीय विद्युत उपकरणों की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकृति को व्यापक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाये गए

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में बने हुए विद्युत उपकरणों के निर्यात का क्षेत्र अब विस्तार को तैयार है, क्योंकि इसके लिए एक महत्वपूर्ण बाधा को दूर किया गया है। केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) केंद्रीय विद्युत मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्था है, जिसे आईएसओ/आईईसी 17065 के अनुसार विद्युत उपकरणों के प्रमाणीकरण के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन बोर्ड (एनएबीसीबी) से प्रतिष्ठित मान्यता प्रदान की गई है। इस उपलब्धि का अर्थ है कि जिन निर्माताओं ने सीपीआरआई से परीक्षण प्रमाण पत्र प्राप्त किया है, वे देश के बाहर किसी अन्य निकाय द्वारा पुन: परीक्षण या प्रमाणीकरण की आवश्यकता के बिना ही अपने उत्पादों का निर्यात करने में सक्षम हो जायेंगे। यह प्रकिया भारत में पहले से ही मजबूत स्वदेशी विकास और विद्युत उत्पादों के निर्माण को एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन देगी और इस तरह आत्मनिर्भर भारत को मजबूती भी मिलेगी। भारत में निर्मित विद्युत उत्पादों का निर्यात कई देशों में किया जाता है। निर्यातकों ने विद्युत मंत्रालय के समक्ष एक मुद्दा रखा था, जिसके निवारण से इस उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता में और वृद्धि होगी, यह मुद्दा कुछ देशों के आईएसओ/आईईसी 17065 प्रमाणन की कमी के कारण सीपीआरआई द्वारा जारी परीक्षण रिपोर्ट को स्वीकार नहीं करने के संबंध में था। इसके बाद, विद्युत मंत्रालय ने सीपीआरआई को यह अधिकारिक मान्यता तत्काल प्राप्त करने का निर्देश दिया था। सीपीआरआई ने ट्रांसफॉर्मर व रिएक्टर, केबल तथा केबल एक्सेसरीज, कैपेसिटर, स्विचगियर एवं कंट्रोल गियर, ट्रांसमिशन लाइन एक्सेसरीज और एनर्जी मीटर को कवर करने वाली अपनी टेस्ट रिपोर्ट के लिए प्रमाणन प्राप्त किया है।सीपीआरआई के पास अब यह मान्यता होने की वजह से भारतीय निर्यातकों को अपने उत्पादों को परीक्षण के लिए विदेश भेजने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे भारत से बिजली के उपकरणों के अधिक विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

आईएसओ/आईईसी 17065 प्रमाणन वैश्विक स्तर पर बाजार और नियामकों को प्रदर्शित करता है कि एजेंसियों ने एक सक्षम, सुसंगत तथा निष्पक्ष तरीके से प्रमाणन योजनाओं के संचालन के लिए सभी आवश्यकताओं को पूरा किया है। आईएसओ/आईईसी 17065 का उद्देश्य अनुरूपता मूल्यांकन या उत्पादों, प्रक्रियाओं और/अथवा सेवाओं के प्रमाणन के लिए निर्धारित है। सीपीआरआई परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा जारी परीक्षण रिपोर्ट को सीपीआरआई के भीतर एक स्वतंत्र प्रमाणन प्रभाग द्वारा प्रमाणित किया जाएगा जो आगे परीक्षण प्रमाणपत्र जारी करेगा।

शिक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेतु का काम करेगी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली (आरएनएस)। वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल ने आज कहा कि शिक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक सेतु का काम करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा और वाणिज्य, प्रौद्योगिकी के साथ जुडक़र हमें कार्य करने के लिए सशक्त बनाएंगे।

गोयल ने सिडनी में न्यू साउथ वेल्स (यूएनएसडब्ल्यू) के छात्रों के साथ एक बातचीत के दौरान अपने संबोधन में कहा, ''यह हमेशा हमारी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है। कोविड के बाद की दुनिया में, हमें हाइब्रिड कार्यक्रमों की संभावनाओं का पता लगाना चाहिए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (इंडऑस ईसीटीए) को एक ''प्राकृतिक साझेदारी'' करार देते हुए, गोयल ने कहा कि भारत इस्पात उत्पादन क्षमता और ऊर्जा दक्षता को तीन गुना करने पर विचार कर रहा है।

गोयल ने कहा, ''शोधकर्ता जो अच्छे काम करते हैं, उन्हें उसे काम में आने लायक बनाने के लिए उस तरह का पैमाना और उस तरह का मौका नहीं मिलता है।'' ''उस पैमाने के साथ हम चिकित्सा देखभाल को और अधिक किफायती बना सकते हैं, उस पैमाने के साथ हम दोनों देशों में हमारे पास मौजूद प्रतिभा का उपयोग करके बड़ी संख्या में लोगों की सेवा करने के लिए प्रौद्योगिकी बना सकते हैं, संभवत: ऑस्ट्रेलिया में किए गए अनुसंधान, भारत में मौजूद प्रतिभा इसे बड़े पैमाने पर निर्माण के लिए मदद कर रही है, इसका उपयोग बड़े पैमाने पर दुनिया में समाज का बड़ा वर्ग कर रहा है और वहां से इसे दुनिया के बाकी हिस्सों में ले जाया जा रहा है। मेरा मानना है कि इस तरह की साझेदारियां दुनिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।''

एनएसडब्ल्यू विश्वविद्यालय को भारत में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के लिए आमंत्रित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रेलिया साझेदारी वास्तव में हमारे लोगों के जीवन को बदल सकती है।

बाद में ऑस्ट्रेलिया की बिजनेस काउंसिल द्वारा आयोजित उद्योगपतियों की बैठक को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा कि व्यापार संरचना पर दोनों पक्षों के बीच सभी अन्य कार्य सफल होंगे। उन्होंने कहा, ''आप विशाल भारतीय आबादी के लिए मेक इन इंडिया और दुनिया के लिए- मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड की संभावना को ध्यान में रखकर भारत द्वारा प्रस्तुत प्रतिभा और कौशल का इस्तेमाल करते हुए अपनी प्रयोगशालाओं, अनुसंधान संस्थानों या विश्वविद्यालयों में तैयार अपनी प्रौद्योगिकियों, अद्भुत नवाचारों को वास्तव में भारत जैसे बड़े बाजार में ले जा सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि इंडऑस ईसीटीए हमें अगले 5-6 वर्षों में हमारे द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में मदद करेगा और 2030 तक हमें 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य की आकांक्षा करनी चाहिए। गोयल ने शो के मेजबान के साथ बातचीत करते हुए कहा, ''मैं इस बात से सहमत हूं कि अगर आपको 100 अरब तक पहुंचना है, तो हमें इसे और अधिक विशिष्टताओं तक पहुंचाना होगा। उन बारीकियों में सॉफ्ट पावर भी आती है, उदाहरण के लिए हमें अपने विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और शिक्षा में स्थायी भागीदारी के लिए दोनों देशों के बीच मानकों को श्रेणीबद्ध करने की आवश्यकता है ताकि उत्पाद दूसरे के बाजारों में सहज पहुंच प्राप्त कर सकें।

आर्थिक और राजनीतिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की मदद को आगे आया भारत, भेजी आवश्यक ईंधन की खेप

नई दिल्ली (आरएनएस)। श्रीलंका में बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक संकट के बीच भारत ने उसे पेट्रोल और डीजल की खेप उपलब्ध कराई है। श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने ट्वीट करके यह जानकारी दी। उसने कहा, पिछले 24 घंटों में श्रीलंका को 36,000 मीट्रिक टन पेट्रोल और 40,000 मीट्रिक टन डीजल की एक-एक खेप पहुंचाई गई है। इसके साथ ही भारतीय सहायता के तहत विभिन्न प्रकार की ईंधन की कुल आपूर्ति अबतक 270,000 मीट्रिक टन से अधिक हो गई है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ट्वीट करके कहा, हमारा मानना है ,पड़ोस पहले। इससे पहले भारत द्वारा आपूर्ति किए गए डीजल और पेट्रोल को ले जाने वाले जहाज कल श्रीलंकाई बंदरगाहों पर लंगर डाला। गौरतलब है कि श्रीलंका में ईंधन और खाद्य पदार्थों की कमी और लंबे समय तक बिजली कटौती के कारण बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

देश में पहली बार मेडिकल नॉलेज शेयरिंग मिशन की शुरूआत

भोपाल (आरएनएस)। चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में लगातार नवाचार किये जा रहे हैं। इन नवाचारों की श्रृंखला में एक कदम और बढ़ाते हुए मेडिकल नॉलेज शेयरिंग मिशन की शुरूआत की गई है। मिशन से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चिकित्सा शिक्षा एवं चिकित्सकीय उपचार की नवीनतम तकनीक, नवाचारों एवं शोध के विभिन्न आयामों को मध्यप्रदेश के चिकित्सकों एवं चिकित्सा छात्रों तक पहुँचाया जायेगा।

मंत्री सारंग ने मेडिकल नॉलेज शेयरिंग मिशन कार्यालय का शुभारंभ कर बताया कि मिशन में विभिन्न आयामों पर कार्य किया जाएगा। देश-विदेश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों (शासकीय एवं निजी) के साथ शिक्षा, अनुसंधान और उपचार के लिए एमओयू किये जाएंगे। चिकित्सीय छात्रों एवं चिकित्सकों के लिए ट्रेनिंग, कैपेसिटी बिल्डिंग, नॉलेज एक्सचेंज, एक्पोजऱ विजिट प्रोग्राम आदि कार्यक्रम तैयार किये जायेंगे। नॉलेज एक्सचेंज इंटेरेक्टिव डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जिससे चिकित्सीय छात्र एवं चिकित्सक अपने अनुभव, रिसर्च कार्यों एवं अन्य नवाचारों को एक-दूसरे से डिजिटल रूप से साझा कर सकेंगे।

मंत्री ने बताया कि नवीनतम तकनीकों (आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस-रढ़ढ) एवं गूगल तथा माइक्रोसॉफ्ट आधारित आधुनिक सॉफ्टवेयर का उपयोग चिकित्सा शिक्षा और चिकित्सकीय व्यवस्था क्षेत्र में किये जाने पर कार्य किया जाएगा।

मंत्री सारंग ने बताया कि शासकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों जैसे शंकर नेत्रालय चैन्नई, टाटा केंसर हॉस्पिटल मुंबई, फोर्टिस गुडगाँव एवं अपोलो हॉस्पिटल के साथ सुपर स्पेशिलिटी शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में मेडिकल रोबोटिक्स के उपयोग, चिकित्सा पद्धति और गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए चिकित्सकीय एवं शैक्षणिक आदान-प्रदान किया जाएगा। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी के साथ बोनमेरो ट्रांसप्लांट एवं एमोरी यूनिवर्सिटी के साथ संक्रामक बीमारियों के उपचार एवं चिकित्सा शोध के लिए एमओयू किया जाएगा। देश एवं विश्व के विभिन्न विधाओं के ख्याति प्राप्त चिकित्सकों द्वारा प्रदेश के मरीजों की जटिल बीमारियों के उपचार के लिए एमओयू किया जाएगा, जिसमें हेल्थ कैंप, चिकित्सा परामर्श सुविधा एवं शल्य चिकित्सा की व्यवस्था चिकित्सा महाविद्यालय के हॉस्पिटल में की जायेगी।

मंत्री ने बताया कि चिकित्सीय छात्रों एवं चिकित्सकों के लिए देश-विदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में चल रहे नवाचारों, नवीन चिकित्सकीय विधि-विधाओं एवं चिकित्सकीय शोध आदि विषयों पर ट्रेनिंग एवं कार्यशाला की जाएगी। नॉलेज एक्सचेंज एक्पोजऱ प्रोग्राम में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के चिकित्सा छात्रों एवं चिकित्सकों को देश-विदेश में नॉलेज एक्सचेंज एक्पोजऱ विजिट की व्यवस्था भी होगी। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर म.प्र. के चिकित्सक एवं चिकित्सीय छात्र सहभागी हो कर अपना साथ दे सकेंगे, जिसके परिणामस्वरूप उनकी क्षमता वृद्धि के लिए विशिष्ट ट्रेनिंग होंगी।

मंत्री सारंग ने बताया कि डिजिटल प्लेटफार्म पर देश-विदेश के चिकित्सक एक साथ होंगे। डिजिटल प्लेटफार्म विकसित कर प्रदेश के चिकित्सकों एवं चिकित्सा छात्रों के साथ ही प्रदेश से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त कर देश-विदेश के प्रसिद्ध चिकित्सा संस्थानों में कार्य करने वाले चिकित्सकों को डिजिटल प्लेटफार्म पर रजिस्ट्रेशन कर जोड़ा जाएगा। चिकित्सा क्षेत्र में किये जा रहे शोध कार्यों एवं नवाचारों को डिजिटल प्रकाशित किया जायेगा। नवीनतम चिकित्सकीय तकनीकों एवं विधाओं के संबंध में चर्चा-जानकारी के लिए ब्लॉग, डिस्कशन एवं प्रतियोगिता का प्रावधान होगा।